IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालय में उपयोगकर्त्ताओं द्वारा सूचना खोज में पुस्तकालय की भूमिका का अध्ययन

डॉ.सैय्यद फहीम
शोध निदेशक

अलीबलराम धार्वे
शोधार्थी

माधव विश्वविद्यालय पिण्डवाड़ा, सिरोही (राजस्थान)

प्रस्तावना :–

वर्तमान समय में धार जिले में अनेक संस्थाओं के शैक्षणिक कार्य किया जा रहा हैं, जिसमें मुख्य रूप से शासकीय और अशासकीय संस्थाओं एवं महाविद्यालयों की मुख्य भूमिका रही हैं। इस अध्ययन कार्य में शासकीय संस्थाओं में पुस्तकालय के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के द्वारा सुचनाओं को प्राप्त करने में विभिन्न तकनीकियों का उपयोग किया जा रहा हैं, जिसका अध्ययन इस लघु शोध अध्ययन में किया जा रहा है। शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के द्वारा अनेक प्रकार से सूचनाओं को एकत्रित करने का कार्य किया जाता हैं, जिसमें मुख्य रूप से पुस्तकालय प्रणाली, कम्प्यूटर प्रणाली, ऑनलाईन माध्यम एवं ऑफ लाईन माध्यमों का मुख्य रोल रहता है। इस लघु शोध अध्ययन में इसी तथ्यों को आधार मानकर लघु शोध अध्ययन को तैयार किया जा रहा हैं, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से सुचनाओं को एकत्रित करने का माध्यम माना गया है। वैसे तो स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा सुचनाओं को एकत्रित करने के लिए महाविद्यालय की पुस्तकालयों का उपयोग अधिक से अधिक मात्रा में किया जाता हैं, जिसके लिए उनके द्वारा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न पुस्तकालयों का उपयोग किया जाता हैं, ताकि उनको चाही गई जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके। वर्तमान समय में पुस्तकालय का उपयोग स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के द्वारा अधिक मात्रा में किया जाता हैं, ताकि वे उनके विषय से संबंधित कार्यो को आसानी से पूर्ण कर सकें और अधिक से अधिक मात्रा में पुस्तकालय प्रणाली का उपयोग भी हो सके। वैसे तो धार जिले के प्रत्येक तहसीलों में में महाविद्यालय उपलब्ध हैं, जिसका उपयोग इस क्षेत्र में निवास करने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के द्वारा अधिक से अधिक इन पुस्तकालयों का उपयोग किया जा है और आगे के अध्ययन कार्य को पूर्ण किया जा रहा है।

धार जिला चुंकि अनुसूचित जाति और जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र में अधिकांश आदिवासी समुदाय अनुसूचित जनजाति के लोगों की जनसंख्या अधिक मात्रा में देखी गई है। चयनित लघु शोध अध्ययन चूंकि धार जिले के शैक्षणिक महाविद्यालयों में उपयोगकर्ताओं के द्वारा सूचना खोज में पुस्तकाल की भूमिका का अध्ययन से संबंधित है। धार जिल में शासकीय और अशासकीय संस्थाओं के द्वारा महाविद्यालयों का संचालन किया जा रहा हैं, लेकिन अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकांश लोगों के द्वारा शासकीय महाविद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए भेजते हैं, जिसमें इन लोगों के द्वारा इन महाविद्यालयों में अनेक प्रकार के संसाधन जिसमें मुख्य रूप से कक्षाओं एवं पुस्तकालयों का उपयोग अधिक से अधिक मात्रा में करते है। इन महाविद्यालयों में सभी विद्यार्थियों को पुस्तकालय की ओर से निःशुल्क पास बनाया जाता हैं, जिसका उपयोग वे पुस्तकों को पढ़ने के लिए अपने घर पर ले जाते हैं और अध्ययन कार्य को पूर्ण करते है। महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा इन पुस्तकालयों का उपयोग ज्ञान वृद्धि के लिए किया जाता हैं, इसके अलावा शासकीय परीक्षा, नौकरी से संबंधित कार्य के लिए इन पुस्तकों का उपयोग पुस्तकालय से जारी के ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया जाता है। कभी–कभी विद्यार्थियों की आर्थिक

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 4, Issue 3, December 2024 Impact Factor: 7.53

स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण इनके द्वारा इन पुस्तकालयों में से पुस्तको को कुछ समय के लिए इनके कार्ड पर जारी करके अपने घर पर ले जाकर अध्ययन कार्य पूर्ण करते हैं, और जैसे ही परीक्षा एवं कार्य पूर्ण होता हैं, इनके द्वारा यह पुस्तकें पुस्तकालयों में वापस से जमा कर देते हैं, इससे यह सिद्व होता हैं कि इन विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकालयों का उपयोग सूचना को एकत्रित करने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में किया जा रहा हैं और आगे आने वाले समय में और भी अधिक मात्रा में इन पुस्तकालयों का उपयोग इनके द्वारा किया जाएगा। जैसे–जैसे विद्यार्थियों को अध्ययन कार्य के दौरान पुस्तकालय के बारे में जानकारी प्राप्त होती हैं वे उन पुस्तकालयों का उपयोग उनके दैनिक कार्यो के दौरान एवं उनकी आवश्यकता के अनुसार करते जाते हैं और समय निकालकर इन पुस्तकों का अध्ययन करते है। आज के दौर में पुस्तकालयों की भूमिका जितनी धार महाविद्यालयों में उतनी किसी और की नहीं हैं, क्योंकि पुस्तकें के द्वारा ही कोई भी व्यक्ति आसानी से ज्ञान को अर्जित करके अपने भविष्य को सुधारने का कार्य करता है। आज जो कोई भी विद्यार्थि अगर सफल हुआ हैं तो उसमें पुस्तकालय और पुस्तकों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है।